पाठ 1

48A1YB

चिर महान

(प्रस्तुत कविता में ईश्वर से लोक कल्याण और मानवता की सेवा करने की शक्ति प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की गयी है।)

जगजीवन में जो चिर महान

सौन्दर्यपूर्ण औ सत्य-प्राण

मैं उसका प्रेमी बनूँ, नाथ!

जो हो मानव के हित समान!

जिससे जीवन में मिले शक्ति,

छूटे भय, संशय,अन्धभक्ति,

मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!

मिल जायें जिसमें अखिल व्यक्ति,

पाकर, प्रभु! तुमसे अमर दान

करने मानव का परित्राण,

ला सकूँ विश्व में एक बार

फिर से नवजीवन का विहान!

- सुमित्रानन्दन पन्त

प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानन्दन पन्त का जन्म सन् 1900 ई0 में अल्मोड़ा के निकट कौसानी ग्राम में हुआ था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा ग्राम की ही पाठशाला में हुई। इनकी साहित्यिक सेवा के लिए भारत सरकार ने इन्हें 'पद्म-भूषण' सम्मान से विभूषित किया। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- 'वीणा', 'ग्रन्थि', 'पल्लव', 'गुंजन', 'चिदम्बरा' आदि। पन्त जी का निधन 28 दिसम्बर सन् 1977 ई0 को हुआ।

शब्दार्थ

जगजीवन=संसार के लोगों का जीवन। **सत्यप्राण**=जिसका हृदय सत्य से भरा हो। **मानव के हित समान**=जो समान रूप से मनुष्य की भलाई करने वाला हो। **अन्धभक्ति**=बिना सोचे समझे किसी के प्रति निष्ठा का भाव रखना। **अखिल**=सम्पूर्ण, सारा। **परित्राण**=पूर्ण रक्षा। **विहान**=प्रातःकाल, भोर।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

ईश्वर भक्ति से संबंधित अन्य कविताओं का संकलन कीजिए।

विचार और कल्पना

संसार में मानव कल्याण के लिए कौन-कौन उपाय किये जा सकते हैं ? अपना विचार व्यक्त कीजिए। अगर आपको ईश्वर से संसार के कल्याण का वरदान मिल जाये तो आप क्या-क्या करेंगे ?

कविता से

1. इस कविता में 'सत्य-प्राण' ृाब्द अच्छे गुण का सूचक है और 'अन्ध भक्ति' शब्द दुर्गुण अर्थात् अच्छे गुण का सूचक नहीं है। इसी प्रकार कविता को पढ़कर इसमें आये अच्छे गुण

वाले शब्दों और दुर्गुण वाले शब्दों की सूची बनाइए, जैसे -

अच्छे गुण वाले शब्द : सत्यप्राण, ...

दुर्गुण वाले शब्द : अन्ध भक्ति, ...

2. कवि विश्व में नवजीवन का विहान क्यों लाना चाहता है ?

3. इस कविता का शीर्षक 'चिर महान' है। आपको इस कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहेंगे ? लिखिए।

4. (क) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

1. जगजीवन में जो चिर महान

सौन्दर्यपूर्ण औ सत्य-प्राण।

2. जिससे जीवन में मिले शक्ति

छूटे भय, संशय, अन्धभक्ति।

(ख) नीचे 'क' वर्ग में दी गयी कविता पंक्तियों से सम्बन्धित पंक्तियाँ 'ख' वर्ग में दी गयी हैंै। किन्तु वे क्रम से नहीं हैं। पंक्तियों को मिलाइए-

'क'	'ख'
1. **मैं उसका प्रेमी बनूँ, नाथ!**	मिल जायें जिसमें अखिल व्यक्ति
2. **मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!**	फिर से नवजीवन का विहान
3. **ला सकूँ विश्व में एक बार**	जो हो मानव के हित समान

भाषा की बात

1. चिर शब्द का अर्थ है 'सदैव', यह महान के पूर्व विशेषण के रूप में जुड़ा है। इसी प्रकार 'चिर' विशेषण लगाकर तीन नये शब्द बनाइए, जैसे- चिर नवीन, ...।

2. जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे 'विशेषण' कहते हंै। जिसकी विशेषता बताई जाय उसे 'विशेष्य' कहते हैं।

3. क्रिया विशेषण वे शब्द हैं जो क्रिया की विशेषता बताते हैं। जैसे-काला घोड़ा तेज दौड़ा। इस वाक्य में 'काला' शब्द विशेषण है जो संज्ञा शब्द 'घोड़ा' की विशेषता बता रहा है। तेज दौड़ा में 'दौड़ा' शब्द क्रिया है उसकी विशेषता बताने वाला शब्द 'तेज' क्रिया विशेषण है।

इसे भी जानें

सुमित्रानन्दन पन्त को उनकी काव्यकृति 'चिदम्बरा' के लिए सन् 1968 ई0 मंे ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया। ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारत का कोई भी नागरिक जो

आठवीं अनुसूची में बतायी गयी 22 भाषाओं में से किसी भाषा में उत्कृष्ट लेखन करता हो, वह इस पुरस्कार के योग्य है। इस पुरस्कार की स्थापना सन् 1965 ई0 में हुई।

शिक्षक संकेत- श्रव्य-दृश्य सामग्री का प्रयोग कर कविता को सुनाएँ एवं विद्यालय के किसी कार्यक्रम में बच्चों से प्रस्तुत कराएँ।